Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 21 जनवरी, 2022

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल

प्रतिवर्ष 19 जनवरी को 'राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल' (NDRF) का स्थापना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 'राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल' ने अपना 17वाँ स्थापना दिवस मनाया। 'राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल' (NDRF) की स्थापना वर्ष 2006 में 'आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005' के तहत 6 बटालियनों के साथ की गई थी। वर्तमान में NDRF में 12 बटालियन हैं, जिनमें BSF और CRPF से तीन-तीन तथा CISF, SSB एवं ITBP से दो-दो बटालियन हैं एवं इसकी प्रत्येक बटालियन में 1149 सदस्य हैं। स्थापना के बाद से NDRF ने अपनी कार्यकुशलता से देश तथा विदेशों में प्रशंसा प्राप्त की है। 'राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल' (NDRF) प्राकृतिक व मानव निर्मित आपदा में त्वरित सहायता प्रदान करने, राहत व बचाव कार्यों में जुटी अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने, आपदा क्षेत्र से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने एवं राहत सामग्री का वितरण करने आदि में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। पिछले कुछ वर्षों में NDRF वैश्विक स्तर पर अग्रणी आपदा प्रबंधन बल के रूप में उभरा है। NDRF का महानिदेशक एक IPS अधिकारी होता है। वर्तमान में IPS अधिकारी एस.एन. प्रधान NDRF के महानिदेशक हैं।

TOI-2180 b: विशाल गैसीय ग्रह

नासा के एक वैज्ञानिक ने पृथ्वी से लगभग 379 प्रकाश वर्ष दूर एक विशाल गैसीय ग्रह की खोज की है, जो सूर्य के समान द्रव्यमान वाले एक तारे की परिक्रमा कर रहा है। बृहस्पति के आकार का यह विशाल 'TOI-2180 b' गैसीय ग्रह खगोलविदों के लिये विशिष्ट है, क्योंकि हमारे सौर मंडल के बाहर मौजूद कई ज्ञात गैस ग्रहों की तुलना में इसका 261 दिन का एक वर्ष तुलनात्मक रूप से काफी लंबा है। 'TOI-2180 b' बृहस्पति ग्रह से लगभग तीन गुना अधिक विशाल है, लेकिन इसका व्यास बृहस्पति ग्रह के ही समान है, इसका अर्थ यह हुआ कि यह ग्रह बृहस्पति ग्रह से अधिक सघन है। गौरतलब है कि हमारे सौरमंडल में बृहस्पति ग्रह प्रति 12 साल में सूर्य की परिक्रमा करता है; जबकि शनि सूर्य की परिक्रमा में 29 वर्ष लगते हैं। लगभग 170 डिग्री फारेनहाइट के औसत तापमान के साथ 'TOI-2180 b' बृहस्पति और शनि ग्रह सहित हमारे सौरमंडल के बाहरी ग्रहों की तुलना में अधिक गर्म है।

मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा राज्य दिवस

21 जनवरी, 2022 को मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा का राज्य दिवस मनाया गया। गौरतलब है कि 21 जनवरी, 1972 को ये तीनों राज्य उत्तर-पूर्वी क्षेत्र अधिनियम (पुनर्गठन), 1971 के तहत पूर्ण राज्य बने थे। भारत की आज़ादी से कुछ दिन पहले मणिपुर के महाराजा बोधचंद्र सिंह ने मणिपुर की आंतरिक स्वायत्तता को बनाए रखने के आश्वासन पर भारत सरकार के साथ 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेसन' पर हस्ताक्षर किये थे। वहीं 15 नवंबर, 1949 को भारतीय संघ में विलय होने से पहले त्रिपुरा एक रियासत थी। त्रिपुरा रियासत के अंतिम राजा बीर बिक्रम का भारत की आज़ादी से ठीक पहले 17 मई, 1947 को निधन हो गया। इसके पश्चात् रानी कंचन प्रभा ने त्रिपुरा रियासत के भारतीय संघ के साथ विलय में अहम भूमिका निभाई। वर्ष 1947 में गारो एवं खासी क्षेत्र के शासकों ने भारतीय संघ में प्रवेश किया। मेघालय, भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में स्थित एक छोटा पहाड़ी राज्य है जो 2 अप्रैल, 1970 को असम राज्य के भीतर एक स्वायत्त राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। मेघालय राज्य में संयुक्त रुप से खासी एवं जयंतिया हिल्स और गारो हिल्स ज़िले शामिल थे।

सानिया मिर्ज़ा

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्ज़ा ने हाल ही में संन्यास लेने की घोषणा की है। सानिया मिर्ज़ा के मुताबिक, वर्ष 2022 के सीज़न में वे अपना आखिरी मैच खेलेंगी। टेनिस खिलाड़ी के रूप में अपने असाधारण कॅरियर में 35 वर्षीय सानिया मिर्ज़ा ने छह ग्रैंड स्लैम जीते हैं और 'महिला टेनिस संघ' युगल रैंकिंग के शिखर तक पहुँची हैं। सानिया मिर्ज़ा 'महिला टेनिस संघ' एकल रैंकिंग में शीर्ष 30 में पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला हैं। इसके अलावा वह वर्ष 2005 में डब्ल्यूटीए एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-21-january-2022